गर्मियों में बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए बीएसईएस ने लगाए 250 नए ट्रांसफॉर्मर, बिछाईं 650 किलोमीटर नई केबलें

350 ट्रांससॅर्मरों की क्षमता भी बढ़ाई गई

- 825 करोड़ की लागत से बिजली नेटवर्क की क्षमता में 750 एमवीए की बढ़ोतरी

नई दिल्लीः 16 मई। इस साल गर्मियों में अपने उपभोक्ताओं को पहले के मुकाबले बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बीएसईएस ने 250 नए ट्रांसफॉर्मर लगाए हैं और 350 ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता भी बढ़ाई है। 650 किलोमीटर नई केबलें बिछाई गई हैं और बड़ी संख्या में नए फीडर भी इंस्टॉल किए गए हैं। गर्मियों का पीक सीजन आने से पहले 825 करोड़ रूपये की लागत से हुए बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर के इस ऑग्मेंटेशन से बीएसईएस नेटवर्क की क्षमता 750 एमवीए बढ़ गई है, जिससे इन गर्मियों में उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

हालांकि, कई स्थानों पर नेटवर्क विस्तार में जगह की काफी दिक्कतें सामने आ रही हैं। लेकिन, बीएसईएस ने अत्याधुनिक तकनीकों का सहारा लेकर कुछ इलाकों में 1 एमवीए ट्रांसफॉर्मर के लिए निर्धारित स्थान पर ही दुगुनी क्षमता वाले शक्तिशाली 2 एमवीए पैकेज्ड ट्रांसफॉर्मर लगा दिए हैं। ऐसा खासकर घनी आबादी वाले क्षेत्रों में किया गया है।

घनी आबादी वाले क्षेत्रों में ट्रांसफॉर्मरों और फीडरों की लोड बैलेंसिंग की गई है। लोड बैलेंसिंग वह तकनीक है, जिसके तहत किसी मोहल्ला विशेष के उपभोक्ताओं की बिजली खपत के पैटर्न का अध्ययन करने के बाद, उस हिसाब से, संबंधित ट्रांसफॉर्मर पर बिजली कनेक्शनों की संख्या निर्धारित की जाती है। अगर उस मोहल्ले में बिजली की खपत अधिक है तो उसके कुछ कनेक्शनों को दूसरे ट्रांसफॉर्मर पर शिफ्ट कर दिया जाता है, ताकि बिजली के लोड की सही बैलेंसिंग हो सके और दोनों ही मोहल्ले के उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति मिले।

गर्मियों के लिए एक *वॉर रूम* का गठन भी किया गया है, जिसमें सीनियर इंजीनियर्स व अधिकारी अत्याधुनिक मशीनों और स्काडा सिस्टम के माध्यम से चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति की स्थिति पर नजर बनाए रखेंगे। किसी कारणवश बिजली जाने की स्थिति में जल्द से जल्द बिजली बहाल करने के लिए कई स्तरों पर मॉनिटरिंग टीमें बनाई गई हैं। डिविजल स्तर की सामान्य टीमों के अलावा, केंद्रीय स्तर पर भी एक स्पेशल मॉनिटरिंग टीम बनाई गई है, जो इस पर फोकस करेगी कि जल्द से जल्द उपभोक्ताओं की दिक्कतों को दूर किया जाए। अचानक आई, बिजली संबंधी किसी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए एक क्विक रेस्पॉन्स टीम का भी गठन किया गया है।

गौरतलब है कि इस बार, दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड 7400 मेगावॉट पहुंचने की उम्मीद जताई गई है, जिसकी पर्याप्त व्यवस्था बीएसईएस ने पहले ही कर रखी है, ताकि उपभोक्ताओं को कोई दिक्कत न हो। इसके अलावा, बीएसईएस बिजली उत्पादन और ट्रांसमिशन कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पूरा उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण तंत्र एक दिशा में काम करें, जिससे गर्मियों में बिजली के बढ़े हुए लोड को पूरा किया जा सके। उल्लेखनीय है कि बीआरपीएल इलाके में पिछले साल बिजली की पीक डिमांड 3081 मेगावॉट थी, जो इस साल बढ़कर 3200 मेगावॉट पहुंचने की उम्मीद है। वहीं, बीवाईपीएल इलाके में पिछले वर्ष पीक डिमांड 1561 मेगावॉट थी, जो इस साल बढ़कर 1640 मेगावॉट पहुंचने की उम्मीद है।

बिजली गुल होने स्थिति में बीएसईएस उपभोक्ताओं के पास अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए टोल फ्री नंबर और कॉल सेंटर के अलावा, मोबाइल ऐप, वॉट्सऐप और एसएमएस जैसे विकल्प भी उपलब्ध हैं।

बीआरपीएल उपभोक्ताओं के लिए

टोल फ्री नंबरः 19123

कॉल सेंटर नंबरः 39999707

वॉट्सऐप नंबरः 9999919123 —— हैश डालें, एनसी लिखें, स्पेस दें, सीए नंबर लिखें और भेज दें

बीवाईपीएल उपभोक्ताओं के लिए

टोल फ्री नंबरः 19122

कॉल सेंटर नंबरः 39999808

वॉट्सऐप नंबरः 8745999808 —— हैश डालें, एनसी लिखें, स्पेस दें, सीए नंबर लिखें और भेज दें

एसएमएसः 5616108 —— बीएसईएसवाईपी लिखें, स्पेस दें, एनसी लिखें, स्पेस दें, नंबर लिखें और भेज दें

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

———